

डॉ. बरजिन्दर सिंह हमदर्द

Dr. Barjinder Singh Hamdard



पद्म भूषण

Padma Bhushan



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

डॉ. बरजिन्दर सिंह हमदर्द

डॉ. बरजिन्दर सिंह हमदर्द, अजीत–समाचार पत्र समूह के मुख्य संपादक हैं जिसमें पंजाबी में 'अजीत' और हिंदी में 'अजीत समाचार' नाम से प्रकाशित होने वाले उत्तरी क्षेत्र के अग्रणी समाचार–पत्र हैं। आपको व्यापक रूप से पंजाबी पत्रकारिता के मीडिया–नवाब के रूप में जाना जाता है। आपको भाषा–प्रेस, विशेष रूप से पंजाबी–प्रेस के कद को राष्ट्रीय दैनिकों के कद के बराबर लाने का श्रेय हासिल है।

2. आपका जन्म 20 अगस्त, 1944 को हुआ तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से आपने कला विषयों में परास्नातक की उपाधि प्राप्त की। तदुपरांत, आपने एक पत्रकार तथा वर्ष 1968 में 'अजीत' (पंजाबी) के प्रबंध संपादक एवं लेखक के रूप में अपना कॅरिअॅर शुरू किया। इसके बाद, आपने साहित्यिक पत्रिका 'दृष्टि' की शुरूआत की और साथ ही 'आंदत्ता', 'तस्वीर', तथा 'अप्सरा' जो कि अलग–अलग क्षेत्रों की पत्रिकाएं है, का भी शुभारंभ किया।

3. वर्ष 1978 में आप सुप्रसिद्ध ट्रिब्यून ट्रस्ट द्वारा नवीन रूप से प्रकाशित पंजाबी दैनिक 'पंजाबी ट्रिब्यून' के संपादक के रूप में चंडीगढ़ चले गए। आपके उत्कृष्ट मार्गदर्शन में 'पंजाबी ट्रिब्यून' बहुत जल्द अत्याधिक लोकप्रिय हो गया। तदुपरांत, वर्ष 1984 में आप जालंधर में 'अजीत' से पुनःजुड़ गए।

4. आपको उपन्यास, निबन्धों और सफरनामे पर 10 पुस्तकों के लेखन का श्रेय जाता है। दूरदर्शन–केन्द्र, जालंधर ने वर्ष 1991 में आपके प्रसिद्ध उपन्यास 'कुझ पत्रे' पर आधारित 8 कड़ियों वाले एक श्रृंखलाबद्ध नाटक का निर्माण किया और इसका प्रसारण किया। आपने सात संगीत एल्बम भी प्रस्तुत किए। आपने प्रदूषण, जल संरक्षण, भाषा तथा विश्व के प्रति विभिन्न प्रछन्न खतरों के ऊपर कई पुस्तिकाएं भी लिखी हैं।

5. आप एक प्रख्यात पर्यावरणविद् हैं, आपने पंजाब को हरा–भरा रखने के लिए एक आंदोलन की शुरूआत की और 2011 से 2014 तक चार वर्षों की छोटी सी अवधि में लगभग 4 मिलियन पौधों की रोपाई करने में मुख्य भूमिका निभायी। आप प्रतिष्ठित 'पंजाबी फ्रीडम मूवमेंट मेमोरियल फाउण्डेशन' कार्यकारिणी के सदस्य सचिव एवं अध्यक्ष रहे, जिसे पंजाब के स्वतंत्रता संग्राम की याद में निर्मित किया जा रहा है इस परियोजना को अब पंजाब की सरकार ने अपने हाथ में ले लिया है। आपकी परोपकारी योजना–शिल्प के तहत अजीत प्रकाशन समूह ने समय–समय पर विभिन्न राष्ट्रीय आपदाओं के पीड़ितों के लिए विभिन्न राहत कोषों जैसे – वर्ष 1984 के दंगा पीड़ित परिवारों के लिए सहायता, वर्ष 1988 में बाढ़ से प्रभावित परिवारों को राहत, वर्ष 1999 में कारगिल–कोष, वर्ष 2001 में गुजरात के भूकम्प पीडतों के लिए कोष, सुनामी से प्रभावित हुए परिवारों और वर्ष 2005 में भूकम्प से प्रभावित परिवारों के लिए कोष की स्थापना की। मार्च, 1998 में आप राज्य सभा के लिए निर्वाचित किए गए।

6. आपको पंजाब के भाषा विभाग द्वारा पत्रकारिता के क्षेत्र में की गई आपकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 'शिरोमणि पंजाबी पत्रकार', वर्ष 1990 में भारत सरकार द्वारा प्रदत्त पद्म श्री सहित कई एक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए। वर्ष 1992 में शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक समिति, अमृतसर ने आपको पत्रकारिता के क्षेत्र में आपके योगदान के लिए सम्मानित किया। वर्ष 1998 में, आपको विश्व पंजाबी संगठन, दिल्ली द्वारा सम्मानित किया गया। वर्ष 2001 में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आपको डी.लिट् (ऑनरेरियस कॉजा) की उपाधि से विभूषित किया गया।

Dr. Barjinder Singh Hamdard

Dr. Barjinder Singh Hamdard, Editor-in-Chief of Ajit Group of Newspapers, the leading Punjabi 'Ajit' and Hindi 'Ajit Samachar' Newspapers of northern region is widely recognized as media baron of Punjabi Journalism. He is responsible for giving the language press particularly Punjabi press a stature at par with National Dailies.

2. Born on August 20, 1944, Dr. Hamdard obtained his Masters Degree in Arts from Punjab University, Chandigarh. Thereafter, he started his career as a journalist and a writer in 1968 as Managing Editor of 'Ajit' (Punjabi). Afterwards, he started 'Drishti' a literary magazine and also started magazines named 'Aandatta', 'Tasvir' and 'Apsara' belonging to different fields.

3. In 1978, he shifted to Chandigarh as Editor of a newly launched Punjabi Daily named 'Punjabi Tribune' started by famous Tribune Trust from Chandigarh. Under his superb guidance 'Punjabi Tribune' became immensely popular very soon. Afterwards, he joined 'Ajit' again at Jalandhar in 1984.

4. Dr. Hamdard has to his credit 10 Books on fiction, essays and a travelogue. Doordarshan Kendra, Jalandhar produced and telecast a serial play consisting 8 episodes based on his famous Punjabi Novel 'Kujh Patre' in 1991. He has seven Music Albums to his credit. He has written several booklets on Pollution, Water Saving, Language and various lurking dangers to the World.

5. Dr. Hamdard is an eminent environmentalist, who initiated a movement to keep the Punjab Green and had been instrumental in getting about 4 millions of trees planted in short span of four years from 2011 to 2014.He is the Member-Secretary and President of the Executive of the prestigious 'Punjab Freedom Movement Memorial Foundation', which is being constructed in the memory of freedom struggle of Punjab – a project under taken by the Govt. of Punjab. Under his stewardship, Ajit Group of Publications started various Relief Funds for victims of various national calamities from time to time such as Aid for Riots Hit Families in the year 1984, Relief for Flood Hit Families in the year 1988, Kargil Fund in the year 1999, for Victims of Earthquake of Gujarat in the year 2001,for Tsunami hit families and for earthquake hit families in the year 2005. In March, 1998, he was elected to Rajya Sabha.

6. Dr. Hamdard is recipient of numerous awards and honours including Shiromani Punjabi Patarkar' for his services rendered in the field of journalism by the Language Department of Punjab, Padma Shri by Govt. of India in 1990. In 1992, Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee, Amritsar honoured him for his contribution in the field of Journalism. In 1998, he was honoured by World Punjabi Organisation, Delhi. In 1998, he was honoured by World Punjabi Organisation, Delhi. In 2001, he was bestowed upon with D.Litt (Honorarios causa) by Punjabi University, Patiala.